एक नजर में

दशा माता मंदिर पर हवन एवं भंडारे का आयोजन

झाबुआ। शहर के हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित दशा माता मंदिर पर 10 दिवसीय दशा माता पर्व आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में 2 अगस्त को मंदिर में हवन बाद भंडारे का आयोजन हुआ। रात्रि जागरण कर अलसुबह माताजी की प्रतिमा के सम्मुख बोए गए ज्वारों का विसर्जन किया जाएगा। मंदिर के सेवक वैभव हटिला ने बताया कि हवन दोपहर 11 बजे से आरंभ हुआ। हवन पं. भावेश पाठक ने विधि-विधान से मंत्रोच्चार के साथ संपन्न करवाया। जिसमें यजमान के रूप में निर्मला जगन्नाथ हटिला ने लाभ लिया। दोपहर 1 बजे हवन की पूर्णाहूति पर विशेष आरती की गई। बाद सभी के लिए भंडारा (प्रसादी) का आयोजन रखा गया, जो शाम करीब 5 बजे तक चला। शनिवार रात 8 बजे महाआरती के साथ रात्रि जागरण कर अलसुबह 4.30 बजे चल समारोह के रूप में ज्वारों का विसर्जन रंगपुरा स्थित अनास नदी पर किया जाएगा। 10 दिवसीय पर्व के दौरान मंदिर में माताजी का प्रतिदिन सुंदर श्रृंगार के साथ भक्तों की दर्शन-पूजन के लिए अत्यधिक भीड़ रहीं।

मप्र टूरिज्म क्विज जिला स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

झाबुआ। मप्र टूरिज्म बोर्ड और जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा मप्र टूरिज्म क्विज प्रतियोगिता-2025 के प्रथम चरण की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 1 अगस्त को स्थानीय सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य हरीश कुंडल ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले की 57 विद्यालयों के 171 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 1 अगस्त को सुबह 9 से 10 बजे तक प्रतिभागी छात्रों का पंजीयन किया गया। पंजीयन उपरांत प्रात: 10 से दोपहर 12 बजे तक टूरिज्म पर आधारित लिखित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस लिखित परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त प्रथम 6 टीमों का चयन किया गया। दोपहर 12 से 2 बजे तक विद्यार्थियों के भोजन पश्चात् मल्टीमीडिया क्विज का आयोजन किया गया। इस मल्टी मीडिया क्विज प्रतियोगिता में 310 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर शारदा विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम झाबुआ की टीम रहीं। द्वितीय स्थान पर 270 अंक प्राप्त कर संस्कार पब्लिक स्कूल थांदला एवं तृतीय स्थान पर 200 अंक प्राप्त कर शासकीय उमा विद्यालय नौगांवा की टीम रही। तीनों विजेता टीमों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसी प्रकार पीएमश्री उमा विद्यालय मेघनगर, अणु पब्लिक स्कूल थांदला एवं शासकीय उमा विद्यालय कल्याणपुरा उप-विजेता रहे।

यह रहे अतिथि-पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि संयुक्त कलेक्टर आशीष सिंह थे। अध्यक्षता सहायक आयुक्त सुप्रिया बिसेन ने की। विशेष अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी रूपसिंह बामनिया रहे। अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को खेलभावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की प्रेरणा दी। इस मल्टी मीडिया क्विज प्रतियोगिता में विजेता तीन टीमों को मप्र टूरिज्म के किसी भी हॉटल में 2 राते और 3 दिन और उपविजेता तीन टीमों को 1 रात और 2 दिन का टूर पैकेज मिलेगा तथा मेडल भी प्रदान किए जाएंगे। जिला स्तर पर चयनित प्रथम टीम आगामी माह में भोपाल में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होगी।

बहनों ने पुलिस अधीक्षक को बांधी राखी

झाबुआ। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारी दीदी एवं जिले की महिला नगर सुरक्षा समिति की बहनों ने अपनी आत्मीय उपस्थिति दर्ज कराते हुए पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल को राखी बांधकर पर्व को श्रद्धा, सम्मान एवं भाईचारे के साथ मनाया। यह क्षण आत्मीयता, कर्तव्यनिष्ठा और समाज के प्रति सुरक्षा-संवेदना का प्रतीक बना। सुरक्षा के प्रहरी को समर्पित यह रक्षा-सूत्र, महिलाओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक है, जो समाज में शांति, सौहार्द और सहयोग की भावना को और प्रगाढ़ करता है।

अंकुरम में रक्षाबंधन समारोह का आयोजन

झाबुआ। स्थानीय अंकुरम इंटरनेशनल स्कूल में 2 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व को विशेष रूप से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक अद्भुत और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य आकर्षण रहा, मां और बच्चे द्वारा सजावट प्रतियोगिता। इस वर्ष रक्षाबंधन का आयोजन एक अनोखी थीम पर आधारित किया गया। माँ: बच्चे की पहली रक्षक, पहला बंधन जिसका उद्देश्य था उस गहरे और मजबूत बंधन को सम्मान देना, जो एक मां और उसके बच्चे के बीच होता है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें विद्यालय के प्राचार्य डॉ रितेश लिमये, शिक्षकगण एवं आमंत्रित अतिथियो ने भाग लिया। इसके पश्चात आयोजित सजावट प्रतियोगिता तीन श्रेणियां थीं। पहली नारियल सजावट यूकेजी के लिए, दुसरी थाली सजावट एलकेजी के लिए और तीसरी राखी सजावट नर्सरी के लिए। माताओं और बच्चों की टीमों ने मिलकर अपनी रचनात्मकता, सजावट और भावनाओं के माध्यम से अद्भुत कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में माया तरुण बैरागी और विद्यालय की डायरेक्टर डॉ चारूलता दवे उपस्थित रही। अतिथियों ने उत्कृष्ट प्रतिभाओं का चयन कर पुरस्कार प्रदान किए। जिसमें राखी प्रतियोगिता में नफीसा बागीचावाला प्रथम एवं प्रियांगी महाजन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी कड़ी में थाली सजाओ प्रतियोगिता में मुस्तफा बोहरा प्रथम एवं सृष्टि सोनी द्वितीय रहे, नारियल सजाओ प्रतियोगिता में ध्रुवी नीमा प्रथम एवं प्रज्वल बारिया द्वितीय रहे। विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि से कार्यक्रम के पश्चात वृक्ष पर राखी बंधवाई गई। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण राखी मोमेंट नामक फोटो बूथ, जहां माताओं और बच्चों ने अपनी इस अद्भुत साझेदारी को कैमरे में कैद किया।समारोह में पहुंचे अतिथियों ने एवं विद्यालय की डायरेक्टर ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है, लेकिन मां वह पहली कड़ी है, जो जीवन की रक्षा करती है। आज का आयोजन इसी भाव को समर्पित है। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन किया गया और सभी ने इस अनोखे रक्षाबंधन को एक मीठी याद के रूप में अपने दिल में संजोया। आयोजन में विद्यालय के प्री प्राइमरी सेक्शन की समस्त शिक्षिकाओं का सहयोग रहा। संपूर्ण आयोजन प्री प्राइमरी इंचार्ज अर्चिता राठौर के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजार में सजी राखियों की दुकानें

झाबुआ। शहर में रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजार में राखियों की दुकाने जगह-जगह सज चुकी है और इन दुकानों पर खरीदी का दौर भी शुरू हो गया है। रक्षाबंधन पर्व कैलेंडर अनुसार 9 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षाबंधन पर्व को लेकर अलग-अलग ज्योतिषाचार्यों एवं पंडितों द्वारा मुर्हुत निकाले जाते है। पर्व को लेकर लोगों द्वारा खरीदी शुरू कर दी गई है। जिसमें बहने बाहर रहने वाले अपने भाईयों के लिए राखियों की दुकानों से रक्षासूत्र की खरीदी कर पोस्ट ऑफिस, कोरियर आदि के माध्यम से भिजवाई जा रहीं है। इसके साथ ही बाजारों में किराना, मिठाई, एव्हरफ्रेश एवं नारियल की दुकानों पर भी भीड़ देखने को मिल रहीं है। बाजार में राखियों की दुकाने मेन बाजार, थांदला गेट, जिला चिकित्सालय मार्ग, श्री गौवर्धननाथ मंदिर तिराहा एवं राजवाड़ा पर सजी हुई है, जहां पहुंचकर बहने अपने भाईयों के लिए राखियां पसंद कर रहीं है।

250 तक की राखियां उपलब्ध

श्री गौवर्धननाथ मंदिर तिराहे पर राखी का व्यवसाय कर रहे विक्की सोलंकी ने बताया की उनकी दुकान पर 5 से लेकर 250 रू. तक की राखियां मौजूद है। जिसमें स्टोन, रूद्राक्ष राखी, ब्रेसलेट वाली राखी एवं बच्चों की कार्टन वाली राखियों की मांग अधिक है। इसके अलावा रक्षा सूत्र कलावे की भी खरीदी हो रहीं है। राखियों में नई वैराईटियों में कृष्णा राखी, भाभी राखी, कपल राखी, फैंसी राखी मौजूद है। जिनकी किमत 30 से लेकर 250 रू. तक है। विक्की के अनुसार वह दिल्ली एवं इंदौर से राखियों की खरीदी करके लाए है। भाव में पिछले वर्ष की तुलना में कुछ खास वृद्धि नहीं है।

स्काउट गाइड ने मनाया स्कार्फ डे दिवस

आलीराजपुर । भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय भोपाल के वार्षिक कार्यक्रम अनुसार एवं संभागीय कार्यालय इंदौर के निर्देशानुसार भारत स्काउट गाइड जिला संघ आलीराजपुर द्वारा विश्व स्कार्फ दिवस मनाया गया सर्वप्रथम मे जिला संघ द्वारा जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमान प्रखर सिंह जी को एवं जिला शिक्षा कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर श्री निधि मिश्रा मैडम एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्यालय में श्री संजय परवाल जी को विश्व स्कार्फ दिवस के अवसर पर जिला सचिव बद्रीलाल भाटोद्रा सह सचिव जय श्री गहलोत ब्लॉक सचिव अशोक प्रजापति एवं स्काउट मास्टर भिकला चौहान द्वारा स्कार्फ पहनाकर सभी को सम्मानित किया गया इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों और स्काउट सदस्यों ने स्कार्फ धारण कर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्काउटिंग के प्रति मूल्य जैसे सेवा अनुशासन और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना है कार्यक्रम में जिले में स्काउट आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की है और प्रशासनिक अधिकारियों की भागीदारी ने स्काउट गाइड आंदोलन को प्रेरणादायक बना दिया।

सास बर्फ की तरह शांत और बहु की वाणी शक्कर के समान मीठी बनें : साध्वीश्री पंकजश्रीजी

पेटलावद . सास बहू कार्यशाला का हुआ अ ायोजन* सास बहू परस्पर खींचतान की दीवारों का हटाकर एक दूसरे के साथ मधुर व्यवहार एक करना सीखें। अगर सास बर्फ की तरह शांत दिमाग वाली और बहू की वाणी शक्कर की तरह मीठी बन जाए तो घर का वातावरण सुखमय हो सकता है।

परिवार के सुखद वातावरण में वाणी एक आधारभूत तत्व है। परस्पर मतभेद होने पर मतभेद मिटाने के लिए प्रयत्न करते रहना चाहिए।

उक्त आशय के उद्गार श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 11वे अनुशास्ता युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री पंकजश्रीजी ने तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित सास- बहू कार्यशाला के दौरान तेरापंथ भवन में व्यक्त किए।

आपने आगे कहा कि गलती होना मनुष्य का स्वभाव है, गलती होने पर सास बहू को ताना ना देते हुए उसे प्यार से समझाने का प्रयास करें।

जीवन में कई प्रकार की समस्याएं हो सकती है, चिंता ना करते हुए समस्याओं के समाधान के लिए प्रयत्न करना चाहिए।

बहु का कर्तव्य होता है की सास -ससुर को माता-पिता के समान मानने का प्रयास करे।

तेरापंथ महिला मंडल, पेटलावद ने जागरूकता का परिचय देते हुए इस कार्यशाला का आयोजन किया है।

संयोजकीय वक्तव्य के दौरान साध्वीश्री शारदाप्रभाजी ने कहा कि सास -बहू की आए दिन कि तू-तू, मैं-मैं से परिवार बिखर जाता है। हम इस जीवन में जन्म से कोई भी भौतिक संपदा न तो लेकर आए हैं, और न ही कुछ लेकर जाएंगे। हर व्यक्ति सामान्यत: अपने जीवन में पूरा समय धन या भौतिक संपत्ति इकट्ठा करने का प्रयत्न कर रहा है, साथ-साथ में धर्म कमाई अर्जित करने का प्रयास भी करते रहना चाहिए। जिस देश और समाज की महिलाएं जागृत होती है,वह समाज और देश जागृत समाज कहलाता है।

साध्वीश्री शालीनप्रभाजी ने कहा कि कठिनाई में हमेशा एक-दूसरे के सहयोग के लिए तैयार रहना चाहिए।

जीवन में सरल और अनाग्रही बनने का प्रयास करें और करुणा की भावना रखें। अनुशासन करने वाले को वीणा के तार की तरह किसी भी बात को ना ज्यादा ढीला छोड़ना चाहिए ना ज्यादा खींचना चाहिए।

परिवार मे सबके विकास का दृष्टिकोण रखते हुए सहिष्णुता के विकास का प्रयास करें।सहिष्णुतापूर्ण व्यवहार से ही रिश्ते अच्छे बनते हैं।

आज के कार्यक्रम का प्रारंभ श्रद्धेय साध्वीश्री के नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ।

महिलामंडल की बहिनो ने मंगलाचरण के रूप मे गीत को प्रस्तुति दी। सासुओ- बहूओ ने मिलकर गीत को प्रस्तुति दी।

मीनाजी मेहता,तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष हेमलता जैन मैं अपने भावों को अभिव्यक्ति दी। महिला मंडल की बहिनो ने रोचक व प्रेरक नाटिका को प्रस्तुति दी।आज के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सासुओ- बहुओ ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। आज के कार्यक्रम में तेरापंथी सभा,तेरापंथ युवक परिषद,कन्यामंडल के सदस्यों ने भी अच्छी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

एक नजर उप संचालक कृषि ने जिले के 74 आदन विक्रेताओं को डिप्लोमा प्रमाण पत्र वितरित किए

जिले के कृषि डिप्लोमाधारी आदान विक्रेता बनेंगेकृषिगत क्षेत्र के विशेष सलाहकार

झाबुआ। मानव सभ्यता के विकास के साथ ही खेती किसानी में नित नई विधाओं को अपनाने का सुदीर्घ इतिहास रहा है। वैज्ञानिक अनुसंधानों से कृषिगत क्षेत्र में विकसित नित नई उन्नत तकनीक अपनाने में भी किसान समुदाय कभी पीछे नहीं रहा। मेहनतकश किसान समुदाय के दिन-रात परिश्रम और उन्नत कृषिगत तकनीक के सुयोग से देश के कृषिगत क्षेत्र में उपलब्धियों और विकास के नये आयाम गढ़े है, किंतु बदलते हुऐ वैश्विक परिवेश के मद्देनजर यह आवश्यक है कि कृषिगत क्षेत्र की टिकाऊ उन्नति और उत्तरोत्तर आर्थिक विकास के लिये नवीन तकनीक के प्रचार-प्रसार में व्यवसायी समुदाय की सक्रिय भागीदारी समय की महती आवश्यकता है। कृषि आदान व्यवसाय के क्षेत्र में दशकों से जुड़े व्यापारी समुदाय को नवीन और उन्नत वैज्ञानिक कृषि तकनीक और समझ से सुपरिचित करवाने के लिये भारत सरकार द्वारा प्रारंभ डिप्लोमा पाठ्यक्रम एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम के माध्यम से जिले के आदान विक्रेता बंधु उन्नत कृषिगत प्रोद्योगिकी के गुढ़ रहस्यो को महीनता से समझकर किसान समुदाय की आजीविका उन्नयन में कंधे से कंधा मिलाकर अपना योगदान दे सकेगे। कीटनाशकों और उर्वरक विक्रय के साथ-साथ उनके न्यायोचित ढ़ंग से उपयोग के बारे में भी किसानो को बेहतर ढ़ंग से जानकारी देने में डिप्लोमा पाठ्यक्रम आदान व्यवसायियों के लिये मददगार साबित होगा। उक्त उद्गार व्यक्त करते हुऐ मुख्य अतिथि के रूप में उप संचालक कृषि नगीनसिंह रावत ने जिले के 74 आदान विक्रताओं को डिप्लोमा प्रमाण-पत्र वितरीत करते हुऐ बधाई शुभकामनाऐं प्रेषित की। भारत सरकार की कृषि विस्तार क्षेत्र की देश की शीर्षस्थ संस्था मेनेज हैदराबाद द्वारा देश में कृषि आदान विक्रेताओं के लिये बहुआयामी डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। झाबुआ जिले में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पंचम और षष्ठ बैच के अभ्यर्थीयों द्वारा डिप्लोमा पाठ्यक्रम परीक्षा सफ्लतापूर्वक उत्तीर्ण करने के फ्लस्वरूप उनको पत्रोपाधी प्रमाण-पत्र वितरण का कार्यक्रम उप संचालक कृषि के मुख्य आतिथ्य में कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडो के 74 प्रतिभागियों को उनके डिप्लोमा प्रमाण-पत्र वितरीत किये गये। डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिये जिले के कृषि आदान व्यवसायियों द्वारा अनवरत कक्षाओ में भागीदारी करते हुए ज्ञानार्जन के फ्लस्वरूप डिप्लोमा प्रमाण-पत्र प्राप्त होने से पाठ्यक्रम की दोनों बैच के प्रतिभागीयो में हर्ष और उल्लास देखा गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. जगदीश मोर्य द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में खेती किसानी में वैज्ञानिक अनुसंधानो और नवीनतम उन्नत तकनीक की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए डिप्लोमा अभ्यर्थीयों को प्रेरणादायी उद्बोधन से अभिसंचित किया। 2 केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डीएस.तोमर ने आसन्न वैश्विक परिवेश में कृषि में नवीन तकनीक के प्रचार-प्रसार की संभावनाओ और विधाओ से सदैव सुसज्जीत रहने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान डिप्लोमा पाठ्यक्रम बैच की और से नाथूलाल पाटीदार पेटलावद, राजेश बलसोरा रामा द्वारा प्रतिनिधित्व उद्बोधन के साथ-साथ पाठ्यक्रम अवधि के अपने अनुभव भी साझा किये। पाठ्यक्रम की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुऐ सर्वोच्च अंक हासिल करने के फ्लस्वरूप कन्हैयालाल बामनिया, कुणाल पाटीदार को कास्य प्रमाण-पत्र, गोविन्द पाटीदार एवं जालू भूरिया को रजत प्रमाण-पत्र तथा कांतिलाल परमार एवं संदीप भंडारी को स्वर्ण प्रमाण-पत्र से अंलकृत किया गया। पाठ्यक्रम के फेसिलिटेटर प्रदीप पिपाडा द्वारा पाठ्यक्रम के उद्देश्यपूर्ण संचालन में अभ्यर्थीयों की सक्रिय सहभागिता के लिये व्यवसायियों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुऐ अतिथियों के करकमलो से प्रमाण-पत्र वितरण संपन्न कराया। संचालन भानुप्रिया बावनिया ने किया। आभार मालसिंह धार्वे ने माना।